अजीत समाचार

अजीत समाचार

साहित्य अकादमी द्वारा रमाकांत रथ की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया

साहित्य अकादमी के पूर्व प्रधान रमाकांत रथ को श्रद्धांजलि भेंट करते अकादमी के अधिकारी व अन्य।

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (मिसरदीप भाटिया): साहित्य अकादमी ने प्रसिद्ध ओड़िसा कवि व अकादमी के पूर्व प्रधान रमाकांत रथ की याद में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। अकादमी के प्रधान माधव कौशिक ने उनको आज के समय के जय देव के रूप में याद करते हुए कहा कि उनको सिर्फ 'श्री राधा' पुस्तक के साथ ही नहीं बल्कि और काव्य संग्रहों के आधार पर भी देखना होगा, क्योंकि वह भी महत्वपूर्ण अन्य हैं और बदल कर भारत के तनाव को प्रकट करते हैं। वह आधुनिक भारतीय कविता का शिखर थे। अकादमी के सचिव श्रीनिवास राव ने कहा कि उड़ीसा का साहित्यक दृश्य उन्होंने ही तैयार किया था। समूचे देश के पाठकों ने ही नहीं बल्कि साहित्य अकादमी ने भी उनके विचारों व ज्ञान से लाभ उठाया। उनकी बेटी श्यामा रथ ने कहा कि उनके पिता नौजवान पीढ़ी को आगे ले जाने के लिए हमेशा चिंतित रहते थे। उनको अपने स्कूल मित्र के रूप में याद करते शांतनू ने कहा कि पुस्तक श्री राधा ने उनकी शख्सियत को सम्पूर्णता प्रदान की। इसके अलावा माला श्री लाल, सुकृता पाल कुमार, गौर हरिदास, जतिन कुमार दास, पारमिता सतपथी ने रमाकांत रथ की शख्सियत संबंधी अपने-अपने विचार पेश किए। प्रतिभा राय का शोक संदेश पढ़ कर सुनाया गया। अंत में एक मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई।